

थ

तवर्ग का दूसरा वर्ण, दंत्य, अघोष, महाप्राण।

थंडिल पु. (तत्.) यज्ञ की वेदी।

थंब पु. (तद्.) खंभा, स्तंभ।

थंभ पु. (तद्.) खंभा।

थंभन पु. (तद्.) 1. रुकावट, ठहराव 2. तंत्र का एक प्रयोग शरीर से निकलने वाली वस्तु को रोकने वाली औषधि।

थंभना अ.क्रि. (देश.) दे. थमना।

थंभा पु. (तद्.) दे. थंब।

थंभित वि. (तद्.) ठहरा हुआ, रुका हुआ।

थ पु. (तत्.) 1. रक्षक 2. पहाड़ 3. खतरे का एक रोग 4. भक्षण।

थक पु. (देश.) दे. थाक।

थकन स्त्री. (देश.) दे. थकान।

थकना अ.क्रि. (देश.) 1. श्रम करके शिथिल हो जाना 2. परिश्रम करके हार जाना 3. हैरान हो जाना।

थकरी स्त्री. (देश.) स्त्रियों के बाल झाड़ने की कूँची।

थकान स्त्री. (देश.) 1. थकने का भाव 2. शिथिलता।

थकाना स.क्रि. (देश.) 1. थका देना 2. शिथिल करना 3. हजना।

थकावट स्त्री. (देश.) 1. थकने का भाव 2. शिथिलता।

थकित वि. (देश.) 1. थका हुआ, शिथिल 2. मुग्ध।

थकौहाँ वि. (देश.) थका मांदा, कुछ थका हुआ।

थगित वि. (तद्.) ठहरा हुआ, रुका हुआ।

थणुसुत पु. (तद्.) गणेश, कार्तिकेय।

थति स्त्री. (देश.) दे. थाती।

थत्ती स्त्री. (देश.) 1. राशि 2. ढेर।

थथोलना स.क्रि. (देश.) ढूँढना, खोजना।

थन पु. (तद्.) चौपायों का स्तन।

थनी स्त्री. (तद्.) गलथना, दे. गलस्तन।

थनेला पु. (देश.) 1. स्त्रियों के स्तन पर होने वाला एक फोड़ा 2. गुबरैल की जाति का एक कीड़ा।

थनेली स्त्री. (देश.) ऐसी गाय जिसका थन भारी हो।

थपकना स.क्रि. (अनु.) 1. लाड़-प्यार से किसी की पीठ पर थपथपाना 2. हथेली से धीरे धीरे आघात करना 3. किसी को शांत करना 4. पुचकारना।

थपका पु. (देश.) दे. थपकी।

थपकी स्त्री. (देश.) हथेली का हल्का आघात 2. मुँगरी 3. थापी मुहा. थपकी लगाना- हाथ से धीरे-धीरे ठोकना।

थपड़ी स्त्री. (देश.) ताली मुहा. थपड़ी बजाना/ पीटना- उपहास करना।

थपथपी स्त्री. (देश.) दे. थपकी।

थपन पु. (तद्.) स्थापन, स्थापित करने की क्रिया। जैसे- थपनहार-स्थापित या प्रतिष्ठित करने वाला।

थपना स.क्रि. (तद्.) स्थापित करना अ.क्रि. स्थापित होना, प्रतिष्ठित होना।

थपाना स.क्रि. (देश.) स्थापित कराना।

थपुआ पु. (देश.) चौड़ा, चपटा, खपड़ा।

थपेड़ना स.क्रि. (देश.) थपेड़ा लगाना।

थपेड़ा पु. (देश.) 1. थप्पड़, चपत 2. धक्का 3. घात प्रतिघात।